● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निवेशकों के साथ बैठक की ● मुख्यमंत्री योगी के विकास कार्यों को जमकर सराहा

देश रक्षा निर्यातक बन रहा: राजनाथ

बैठक

लखनऊ | विशेष संवाददाता

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा निवेशकों के साथ बैठक में कहा कि देश अब रक्षा आयातक से रक्षा निर्यातक की ओर बढ़ रहा है। अब तक रक्षा उद्योगों के लिए 200 लाइसेंस वर्ष 2000 से वर्ष 2014 के मध्य जारी किये गये जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2021 तक के सात वर्षों में 350 लाइसेंस जारी हुए। रक्षा उद्योग में प्राइवेट रूट से 74 प्रतिशत तथा गवर्नमेंट रूट से 100 प्रतिशत एफडीआई की व्यवस्था है। स्वदेशी रक्षा उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए डोमेस्टिक प्रोक्योरमेंट की व्यवस्था है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने औद्योगिकीकरण के प्रोत्साहन के लिए शानदार इको-सिस्टम तैयार किया है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के छह नोड में जल्दी उत्पादन शुरू हो जाएगा। हम केन्द्र प्रायोजित योजना ला रहे हैं जिसमें डिफेंस इंडस्ट्रीज को कॉरिडोर में निवेश के लिए इंसेंटिवाइज करने का प्रावधान होगा। एंकर इंडस्ट्री हों या एमएसएमई, नई नीति में सबकी जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपी में योगी सरकार ने करिश्माई काम किया है। सब जानते हैं कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों की योगी सरकार ने क्या हालत कर दी है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री,मेयर और बीबीडी ग्रुप के संस्थापक अखिलेश दास की प्रतिमा का शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अनावरण किया।

लखनऊ में तैयार होगी मिसाइल : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड में ब्रह्मोस की नेक्स्ट जनरेशन मिसाइल तैयार होगी जबकि भारत डायनमिक्स लि. झांसी नोड में आकाश मिसाइल में प्रयुक्त होने वाली प्रणोदन प्रणाली का निर्माण करेगी। इसके लिए भारत डायनमिक्स लि. ने 400 करोड़ के निवेश की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि मार्च 2019 में अमेठी में स्थित भारत-रूस संयुक्त उपक्रम इंडो-रशियन रायफल प्राइवेट लिमिटेड को प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया था। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से अनुरोध किया कि केंद्र रक्षा उत्पादन संबंधी नीति जल्द जारी करें। औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि प्रदेश सरकार ने डिफेंस एक्सपो का सफलतम आयोजन किया।

छात्रों से बोले: भविष्य में युद्ध सेनाएं नहीं बल्कि रोबोट लड़ेंगे

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

● बीबीडी यूनिवर्सिटी में छात्र-छात्राओं संग संवाद

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को बीबीडी यूनिवर्सिटी में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय डा. अखिलेश दास की मूर्ति का अनावरण किया। इसके बाद यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया।

रक्षामंत्री ने कहा कि यह युग विज्ञान व तकनीक का है। भविष्य के किसी युद्ध में सेनाएं नही होंगी बल्कि रोबोट और टेक्नोलॉजी से युद्ध होंगे। यह कितने विभत्स होंगे। इसकी कल्पना करना भी सम्भव नहीं है इसलिये विश्वविद्यालय को शोध की प्रवृत्ति छात्रों में उत्पन्न करने की जरूरत है।

रक्षामंत्री ने कहा कि बीबीडी विश्वविद्यालय को रिसर्च के लिये आगे बढ़ना चाहिये। स्कूली बच्चों के छोटे-छोटे शोध भारतीय रक्षा के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह कर रहे हैं। इसके साथ ही छात्रों में ज्ञान के साथ, चरित्र निर्माण और संस्कार निर्माण पर बल देना चाहिए। इस दौरान राजनाथ सिंह ने स्वर्गीय डा. अखिलेश दास के साथ अपनी सम्बन्ध स्मृतियों को याद करते हुए उन्हें जीवंत प्रकृति का व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि अखिलेश दास में जनसेवा, सामाजिकता, शिक्षा व खेल की दिलचस्पी थी। वह एक विजनरी थे।

इस मौके पर प्रदेश के विधि न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक ने बीबीडी ग्रुप व अखिलेश दास के साथ अपने जुड़ाव-व स्मृतियों को याद करते हुए उन्हें बेजोड़ बताया। बीबीडी ग्रुप के अध्यक्ष विराज सागर दास ने अपने पिता अखिलेश दास की स्मृतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके स्वप्नों को जीवंत बनाये रखकर उनकी प्रेरणा से समाज, शिक्षा व खेल के लिये काम करते रहेंगे।